हिमाचल प्रदेश वन पारितंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना
जापान सरकार (JICA) द्वारा वित् पोषित परियोजना

आय सृजन गतिविधि व्यवसाय योजना

मशरुम की खेती ,दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना और इसका मूल्यवर्धन-2023

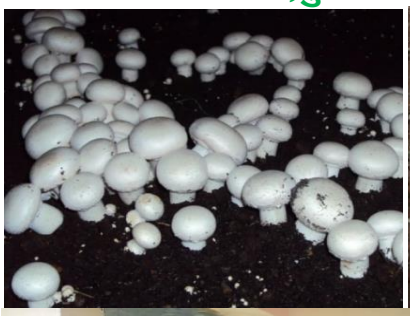

नारायण स्वयं सहायता समूह वीएफडीएस - तराणु

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	नारायण - स्वय सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	वीएफडीएस तराणु
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	::	कटौला
डीएमयू वन मंडल का नाम/	::	मंडी
एफसीसीयू सर्कल /	::	मंडी।

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार-: डीएमयू मंडी, एफटीयू कटौला और नारायण स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

क्रम संख्या	विवरण	पेज/एस
1	परिचय	3-6
2	गांव का भौगोलिक विवरण	7
3	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
4	उत्पादन प्रक्रियाएं।	7
5	उत्पादन योजना का विवरण	8
6	मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	9
7	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	9
8	स्वोट अनालिसिस	10
9	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	1 1
10	वित्तीय अनुमान	11-15
1 1	आर्थिक विवरण	16
12	लाभ लागत विश्लेषण	17
13	टिप्पणि	18
	एसएचजी के साथ बातचीत के दौरान तस्वीरों की झलक	19

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों)MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर(, ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तरउत्तर पूर्व–, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिकआर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं।– कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

तराणु वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता

समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, नारायण स्वयं सहायता समुह " मशरुम की खेती ,दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना और इसका मूल्यवर्धन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिकआर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए–, उन्होंने मशरूम का उत्पादन करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें जितेन शर्मा, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल मंडी, प्रोमिला ठाकुर फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर कटौला परिक्षेत्र, श्री विजय कुमार वन रक्षक, मालवाड़ा बीट और रमेश चंद , वनखंड अधिकारी, वन खंड मालवाड़ा शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

तराणु वन ग्रामीण विकास समिति-:

तराणु वन ग्रामीण विकास समिति, **तराणु** राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है । इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत **सनवाड़ा** में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के मालवाड़ा ब्लॉक में स्थित है और **31°43'58"N अक्षांश -77°02'28" E** देशांतर के बीच स्थित है। तराणु वन ग्रामीण विकास समिति ,मंडी वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के कटौला वन परिक्षेत्र के तहत मालवाड़ा वन खण्ड की मालवाड़ा बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	118
बीपीएल परिवार	14
कुल जनसंख्या	416
कुल मवेशी	946

स्वयं सहायता समुह का विवरण

नारायण **स्वयं सहायता समुह** का गठन **15.07.21** में तराणु वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

नारायण स्वयं सहायता समुह पुरुष समूह 09 पुरुष यें है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और (वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 09 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100 /- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है.–:

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पिता	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1	रफीक अली	जुसब	अध्यक्ष	अनुसूचित जन जाती	33	ऍम.ए. इतिहास	94187-16993
2.	चेत राम	राम चंद	सचिव	अन्य पिछड़ा वर्ग	35	12th	98828-16891
3	सूरज मणि	सोहन लाल	सदस्य	अनुसूचित जाती	33	8th	85805-73559
4	बशीर खांन	फ़क़ीर हुसैन	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	31	8th	98826-20106
5	विन्यामीन	अली हुसैन	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	45	8th	98823-90709
6	फरजंद अली	जुसब	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	48	10th	94182-03761
7	कृपा राम	बूधे राम	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	40	12th	78761-05522
8	कालू	अली हुसैन	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	49	5th	88946-51381
9	सूंदर लाल	देवी चंद	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	33	12th	70185-34628

नारायण एसएचजी सदस्यों के साथ फोटो

1.रफीक अली (अध्यक्ष)

2.चेत राम (सचिव)

3. सूरज मणि (सदस्य)

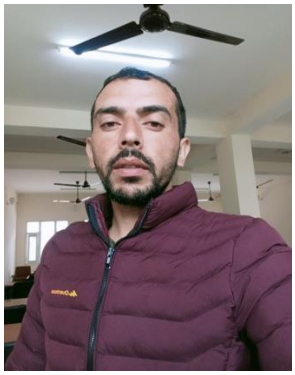

4. **बशीर खांन (सदस्य)**

5. विन्यामीन (सदस्य)

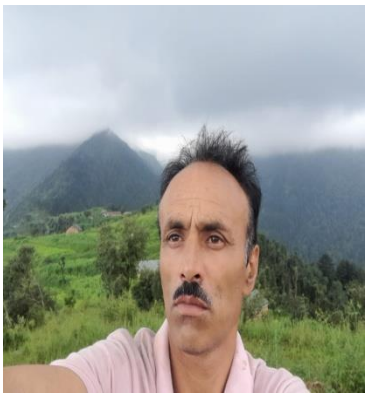

6. फरजंद अली (सदस्य)

7. **कृपा राम (सदस्य)**

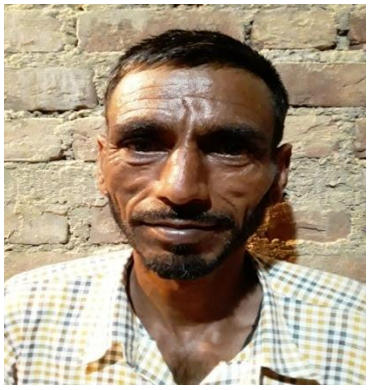

8.**कालू (सदस्य)**

9. सूंदर लाल (सदस्य)

एसएचजी **नारायण** (मशरूम) की वित्तीय स्थिति

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	**नारायण एसएचजी मशरूम की खेती**
एसएचजीसीआईजी एमआईएस कोड / संख्या	::	**मशरूम की खेती**
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	**तराणु**
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	::	**कटोला**
डीएमयूवन मंडल का नाम/	::	**मंडी**
गांव	::	**तराणु**
खंड	::	**सदर**
ज़िला	::	**मंडी**
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	**09**
गठन की तिथि	::	**15.07.2021**
बैंक का नाम और विवरण	::	**हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक कटौला**
बैंक खाता संख्या	::	**87421300076628**
एसएचजीमासिक बचत/	::	**रु.100/- प्रति माह**
कुल बचत	::	**14500 रु/-**
कुल अंतरऋण–	::	**2000रु /-**
नकद ऋण सीमा	::	**5000 रु /-**
चुकौती स्थिति		**100%**

नोट:- इन **कुल 09 स्वयं सहयता समूह सदस्यौं** में से केवल **7 सदस्य** ही वर्तमान में मशरुम उत्पादन गतिविधि में भाग लेंगी अन्य पुरुष यें इस गतिविधि में भाग ले सकती हैं ।

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	**42 किमी**
मेन रोड से दूर	: :	**0 किमी**
स्थानीय बाजार से दुरी	:	**कमांद 18 किमी ,कटौला 12 किमी**
मुख्य शहरों से दुरी	: :	**कमांद-18किमी,कटौला-12 किमी, मंडी-42 किमी**
प्रमुख शहरो के नाम उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	**कमांद-18किमी, मंडी 42 किमी**
संपर्क के लिए स्थिति	: :	**पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र कंपोस्ट बैग स्पैन (और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं (बागवानी विभाग) में निहित है आदि।**

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

उत्पाद का नाम	: :	समूह नियंत्रित वातावरण में बटन मशरूम और ढींगरी के उत्पादन में शामिल होगा –मशरूम उत्पादन ।
उत्पाद पहचान की विधि	: :	यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्यूंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मशरूम की खेती एवं आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन से उनकी आय में वृद्धि होगी। इसके अलावा वे आमतौर पर अपनी सब्जी की फसल कटौला और मंडी बाज़ार में बेचने जाते हैं। बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। उन्हें मशरूम के विपणन के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति	: :	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं

केवीके सुंदरनगर में जाईका परियोजना द्वारा मशरूम की खेती के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाती है।

समूह ने शुरू में ढींगरी मशरूम उत्पादन के साथ काम शुरू करने का फैसला किया, क्योंकि फरवरी के दौरान प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और मार्च के अप्रैल मई /, जून जुलाई के बाद के महीने इस मशरूम की खेती के लिए अधिक उपयुक्त हैं। 250 कम्पोस्ट स्पॉन एडेड बैग खरीदकर किराएकिराए के कमरे में लगाए जाएंगे।/

थ्री टियर वुडनबांस रैक फिटिंग/, साथ में दो एग्जॉस्ट फैन एक ताजी हवा के लिए और दूसरा नीचे की तरफ भीतरी हवा को बाहर निकालने के लिए लगाया जाएगा। एक सीलिंग फैन कमरे के तापमान को कम करने के लिए और दूसरा हीट)

कमरे के तापमान को बढ़ाने के लिए (ब्लोअर, आवश्यक कमरे के तापमान को बनाए रखने के लिए हॉल में एक सूखा और गीला थर्मामीटर लगाया जाएगा। बैग लोड करने से पहले कमरे को फॉर्मेलिन)5 मिलीसे दो से ती (लीटर/न बार धोया और साफ किया जाएगा। बटन मशरूम की दो फसलों और ढींगरी की दो फसलों (प्रत्येक के लिए 70 से 75 दिन चक्रके (साथ व्यवसाय योजना । (अगस्त से फरवरी बटन मशरूम के लिए और ढींगरी के लिए मार्च से जुलाई सबसे अच्छे महीने हैं विमर्श व सहभागिता–समूह के साथ विचार (के बाद तैयार किया गया है। समूह के सदस्य रोजाना 1 घंटे, सुबह आधा घंटा और शाम को आधा घंटा काम करेंगे।

उत्पादन योजना का विवरण:

उत्पादन चक्र)75 दिन(	::	मंडी जिले में बटन मशरूम की खेती सितंबर से मार्च तक की जा सकती है। कम्पोस्ट बैग में स्पॉन डालने के बाद मशरूम को पिनअप हेड आने में 30 से 40 दिन का समय लगता है। उसके बाद तीन फ्लश लिया जा सकता है। मशरूम की फसल के तीन फ्लश लेने के लिए कुल 75 दिनों की आवश्यकता होती है। एक फसल का उत्पादन चक्र 75 दिनों का होगा। एक वर्ष में फसल के चार चक्र नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दोहराए जाएंगे–: ढिंगरी मशरूम की पहली फसल = फरवरी से अप्रैल तक)75 दिनों के लिए (ढिंगरी मशरूम की दूसरी फसल ।(मई से जुलाई के अंत तक) बटन मशरूम की तीसरी फसल = सितम्बर से नवंबर तक)75 दिनों के लिए बटन मशरूम की चोथी फसल = नवंबर से जनवरी)75 दिनों के लिए
जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	प्रारंभ में पूरा समूह रैक लगानेनिर्माण करने/, कमरे को साफ करने और कम्पोस्ट बैग को सड़क से उत्पादन स्थलों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करेगा। इसके बाद पहले 30 दिनों के लिए 2 व्यक्ति 1 घंटे)1/2 घंटे सुबह और 1/2 घंटे शामके लिए बारी बारी से सफाई (, नमी, तापमान विनियमन आदि के लिए काम करेंगे। अगले 31 से 75 दिनों के लिए 4 व्यक्ति 3 घंटे कटाई, मिट्टी की, पिंजरा, सफाई, तोल और पैकिंग के लिए। विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि सदस्यों में से एक नियमित रूप से बाजार में सब्जियों के साथ मशरूम बेचेगा। कम्पोस्ट बनाने वाले 4 व्यक्ति 2 दिन 2 घंटे काम करेंगे। श्रम कार्य कुल 706 घंटे का होगा, यदि हम इसे 8 (घंटोंसे विभाजित करें तो (यह 88 दिन हो जाएगा और इसे 300रुपये दिन /की मजदूरी दर से गुणा करने पर श्रम की लागत 26400 रुपये निकलती है।
कच्चे माल का स्रोत	::	उद्यान विभाग, पालमपुर एवं सोलन जिला हिमाचल प्रदेश के। आमतौर पर सभी सामग्री सुंदरनगर केवीके में उपलब्ध होती है।
अन्य का स्रोत साधन।	::	-उपरोक्त–

(i) बटन मशरूम के लिए आवश्यक मात्रा)75 दिन((ii) ढींगरी के एक चक्र के लिए आवश्यक मात्रा यानी 75 दिन	::	250 कम्पोस्ट स्पॉन बैग, फॉर्मेलिन, 200 मिली, बाविस्टिन 100 ग्राम, पैकिंग सामग्री (पॉलीथीन स्लीव्स)3 किग्रा। ढींगरी के लिए स्पॉन :25 किलो, गेहूं या अन्य फसल का भूसा :500 किलो, फॉर्मलाइन :2 लीटर, बाविसिटन :100 ग्राम, पॉलीशीट :1 ढींगरी खाद के लिए 300 पारदर्शी पॉलीथीन बैग, पॉलीथीन आस्तीन 5 किलो नए के लिए)3 किलो और फटे बैग के प्रतिस्थापन के लिए 2 किलो(
75 दिनों में अपेक्षित उत्पादन	::	**ढींगरी** :- कम्पोस्ट की एक बोरी से ढींगरी का औसत उत्पादन लगभग 1.6 किलोग्राम है। 250 बैग के लिए उपज 400 किलोग्राम ढींगरी होगी **बटन मशरूम** :- एक बैग से मशरूम का औसत उत्पादन 2.0 किग्रा /1 बैग =2.0 किग्रा है . 250बैग x 2.0 किग्रा=. 500 किग्रा **.**

विपणन बिक्री का विवरण /

संभावित बाजार स्थान	::	**कमांद-18किमी,कटौला-12 किमी, मंडी-42 किमी**
इकाई से दूरी	::	**कटौला-12 किमी, मंडी 42 किमी,**
बाजार में उत्पाद की मांग		मशरूम की मांग साल भर रहती है।
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	मंडी कस्बे में सब्जी बेचने का बाजार सुस्थापित है ।
बाजार पर मौसम का प्रभाव।	::	मशरूम सभी मौसमों में स्वादिष्ट होते हैं और पूरे वर्ष उच्च मांग में रहते हैं। हालांकि, गर्मियों और शादी समारोहों के दौरान मांग अधिक बढ़ जाती है।
उत्पाद के संभावित खरीदार।	::	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी विवाह और अन्य औपचारिक अवसर आदि हैं। /
क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता।	::	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक परिवार। /

उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार में मांग के आधार पर मशरूम की दैनिक आपूर्ति और समूह स्थानीय सब्जियों के साथसाथ– कटौला एवं मंडी बाजार के खुले बाजार में भी इन्हें बेचेंगे ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	प्रारंभ में समूह कटौला एवं मंडी शहर के सभी सब्जी खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करेगा, उसके बाद उत्पादन में वृद्धि पर, मंडी बाजार के खुदरा विक्रेताओं से भी अपने उत्पाद को शुद्ध दर या कमीशन के आधार पर बेचने के लिए संपर्क किया जाएगा।
उत्पाद ब्रांडिंग।	::	"तराणु ताजा मशरूम।"
उत्पाद नारा	::	**"मशरूम खाओ सेहत बनाओ।"**

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयम को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस मे श्रम विभाजन करेंगे।

SWOT विश्लेषण

विवरण आइटम /	**:**	**विवरण**
ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल होते हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पाद उच्च गुणवत्ता और मांग का है, बढ़ते चक्र कम हैं, उत्पादन पूरे वर्ष होगा। बागवानी विभाग के पास पालमपुर और सोलन में रेडीमेड कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं। एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह, मशरूम उत्पादनखेती में अनुभव की कमी।/
मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
खतरा	::	समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण ।

पहला चक्र:

परियोजना की लागत	राशि रु में
पूंजी लागत	
तीन टायर लकड़ीबांस रैक फिटिंग का निर्माण/	15,000
सीलिंग फैन)1 no(	2500
निकास पंखे)2)	3000
रूम हीट/ब्लोअर/	1500
सूखा और गीला थर्मामीटर)1सेट(	1000
इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन)1no)	900
गर्म प्लास्टिक की छत की छड़)1no)	800
हल्का स्प्रे पंप)1no)	1800
धारदार चाकू का सेट नं)1सेट(	75
कैंची, (2 न(	400
ट्रे) बास्केट/6 न)	600
फल टोकरा)4 न)।	2400
पानी की टंकियां 1000 लीटर 1 नंबर किराये सहित	8000
पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	4000
सुखाने की मशीन (Drier)	16000
पीशने की मशीन (Grinder)	10000
विविध व्यय	3000
कुल पूंजी लागत	**70975**
पहले चक्र की आवर्ती लागत)75 दिन(	
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई)@ रु। 1000/माह। (3माह= (	3,000
फॉर्मेलिन	600
श्रम मजदूरी 88 दिन)=@Rs 300/दिन=(रु 26400	26400
ढींगरी कम्पोस्ट बैग 250 न @ 40 रुपये प्रति बैग और अन्य कची सामग्री किराए सहित	10000
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	3000
किराया	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	3000
विविध व्यय स्टेशनरी), बिल बुक, रसीद आदि(	1500
एक चक्र की आवर्ती लागत=B1+B2+B3+B4+B5+B6+B7+B8	**48500**
कुल परियोजना लागत (ए=(बी+70975+ 48500=119475	**119475**

लागत लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र-:

विशेष	**इकाई**	**मात्रानहीं/**	**भाव**	**राशि (रु(.**
पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%	महीना	3	10%	**1750**
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @ रु.1000/माह।)3माह(	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	no	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन)=@ रु 300/दिन(= रु 26400	दिन	88	300	26400
ढींगरी खाद बैग 250 नहीं @ रु। 40 प्रति बैग और गाड़ी सहित अन्य कच्चा माल	no	250	40	10000
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
विविध व्यय स्टेशनरी), बिल बुक, रसीद आदि(		एलएस/	-	1500
कुल				**48500**

कुल उत्पादन किग्रा.	ढिंगरी खाद	400 किग्रा 500 किग्रा
किलो में उत्पादन की बिक्री।	ढींगरी 400 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 500 किग्रा @ 5	60000 2500
	कुल	**62500**
कुल लाभ	62500- (1750+48500)	12250
सकल लाभ	कुल लाभ +श्रम मजदूरी कमरे का किराया + 12250+(26400+3000)=	41650
लाभ आरक्षित की जाने वाली शुद्ध राशि की दूसरी और तीसरी किस्त लौटाने के लिए राशी		14494
प्रथम चक्र में सदस्यों के बीच लाभ का वितरण के लिए उपलब्ध राशि ब्याज + प्रधान राशि)- उत्पाद की बिक्री = (दूसरी और तीसरी किस्तकी आवर्ती लागत +62500- (18563 + 1437 + 48500 + 14494)		**-20494**

नोट –:14494 रु .की दूसरी और तीसरी किस्त के भुगतान हेतु आरक्षित रखा जायेगा ।

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र

सीनियर नहीं	विशेष	इकाई	मात्रानहीं/	भाव	राशि (रु(.
ए	**पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%**	महीना	3	10%	**1750**
बी	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @1000 रुपये)माह।/3 महीने=(	महीना	3	1000	3,000
2.	प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन	no	2 बोतल	300	600
3.	श्रम मजदूरी 88 दिन)=@ रु 300/दिन(= रु 26400	दिन	88	300	26400
4.	ढींगरी खाद बैग 250 नहीं @ रु। 40 प्रति बैग और किराए सहित अन्य कच्चा माल	no	250	40	10000
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
6.	यातायात भुगतान	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
	कुल				**47000**

9.	कुल उत्पादन किग्रा.	ढींगरी मशरूम खाद	400 किलो 500 किलो
10.	किलो में उत्पादन की बिक्री।	ढींगरी 400 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 500 किग्रा @ 5	60000 2500
		कुल	**62500**
1 1।	**कुल लाभ**	**62500 - (1750+47000)**	**13750**
12.	**सकल लाभ**	**कुल लाभ कमरे का किराया + श्रम मजदूरी + 13750 +(26400+3000) =**	**43150**
13.	**दूसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि =उत्पाद की बिक्री (अगले चक्र के लिए आवर्ती लागत + ब्याज + मूल राशि) - =62500-(19032 + 968 +57300)**		**(-)14800**

लागत लाभ विश्लेषण तीसरा चक्र

विशेष	**इकाई**	**मात्रानहीं/**	**भाव**	**राशि (रु(.**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	**1750**
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई)@ रु 1000/माह। (तीन माह(	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन)=@ रु 300/दिन(= रु 24200	दिन	88	300	26400
बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 नं @ 90 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्चा माल जिसमें गाड़ी भी शामिल है	नहीं	250	90	22,500
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
कुल				**58000**
कुल उत्पादन किग्रा.	बटन मशरूम खाद			**500 किग्रा 750 किग्रा**
किलो में उत्पादन की बिक्री।	**500 किलो @ 150 रुपये** कम्पोस्ट **750 किग्रा @ रु 10**			75000 7500
			कुल	**82500**
कुल लाभ	**82500 -(1750+58000)**			**22750**
सकल लाभ	**कुल लाभ कमरे का किराया + श्रम मजदूरी + 22750+ (26400+3000) =**			**52150**
तीसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि मूल) - उत्पाद की बिक्री = (आवर्ती लागत + ब्याज + राशि **82500-(19405 + 489 + 58000)**				**4606**

लागत लाभ विश्लेषण चौथे चक्र

विशेष	**इकाई**	**मात्रानहीं/**	**भाव**	**राशि (रु(.**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	**1750**
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @ रु.1000/माह।)3माह(	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन)=@ रु 300/दिन (= रु.26400	दिन	88	300	26400
बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 नं @ 90 रुपये प्रति बैग और गाड़ी सहित अन्य कच्चा माल	नहीं	250	90	22,500
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
कुल				**58000**

कुल उत्पादन किग्रा.	बटन मशरुम खाद	500 किलो 750 किग्रा
किलो में उत्पादन की बिक्री।	500 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 750 किग्रा @ रु 10	75000 7500
	कुल	**82500**
कुल लाभ	82500 - (1750+58000)	22750
सकल लाभ	कुल लाभ कमरे का किराया + श्रम मजदूरी + 22750 +(26400 + 3000)=	52150
चौथे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि ब्याज + मूल राशि) -उत्पाद की बिक्री = (आवर्ती लागत + 82500 -(0+0+58000)		**24500**

आय	
प्रत्यक्ष आय	
(मैं(पहला चक्र ढींगरी मशरूम	(-)20494
(ii) दूसरा चक्र ढींगरी मशरूम	(-)14800
(iii) तीसरा चक्र बटन मशरुम	4606
(iv) चौथा चक्र	24500

बटन मशरुम	
कुल प्रत्यक्ष आय	**-6188**
अप्रत्यक्ष आय	
श्रम मजदूरी	
(i(पहला चक्र	26400
(ii) दूसरा चक्र	26400
(iii) तीसरा चक्र	26400
(iv) चौथा चक्र	26400
कुल	**105600**
कमरे का किराया	
(i(पहला चक्र	3000
(ii) दूसरा चक्र	3000
(iii) तीसरा चक्र	3000
(iv) चौथा चक्र	3000
कुल	**12000**
कुल अप्रत्यक्ष आय	**117600**
कुल आमदनी	**111412**

अर्थशास्त्र का सारांश

चारों चक्रों में उत्पादन की लागत

विशेष	**राशि रुपये में**
कुल आवर्ती लागत	
(i) पहला चक्र	
ढींगरी मशरूम	48500
(ii) दूसरा चक्र	
ढींगरी मशरूम	47000
(iii) तीसरा चक्र	
बटन मशरुम	58000
(iv) चौथा चक्र	58000
बटन मशरुम	
कुल	**211500**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास मूल्य (वार्षिक।(	7000

ऋण पर 10% ब्याज	2894
कुल	**221394**

उत्पादन लागत का सार

विवरण	**राशि (.रु)**
आवर्ती लागत	**211500**
पूंजी पर 10% मूल्यह्रास मूल्य लागत	7000
ऋण पर 10% ब्याज	2894
कुल	**221394**

बिक्री मूल्य का आकलन

विवरण	**इकाई**	**राशि (.रु)**
आवर्ती लागत)221394/1800)	किलोग्राम	122
निश्चित लाभ 23%	किलोग्राम	28
कुल		**150**
बाजार कीमत	**किलोग्राम**	**150**

लाभ लागत विश्लेषण (वार्षिक)

विवरण	**राशि (.रु)**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास (ए)	**7000**
आवर्ती लागत (बी)	
कमरे का किराया	12000
श्रम	105600
कम्पोस्ट बैग की कीमत	65000
फॉर्मेलिन	2400
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	9000
यातायात भुगतान	4000
बिजली और पानी का उपयोग	12000
विविध व्यय स्टेशनरी), बिल बुक, रसीद आदि(	1500
कुल	**211500**
ढींगरी और बटन मशरूम का कुल उत्पादन	1800 किग्रा
ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री मूल्य	270000
खाद का बिक्री मूल्य	20000
कुल	**290000**
कुल लाभ पूंजीगत) –बिक्री मूल्य =लागत (आवर्ती लागत + =290000- (70975+211500)	7525
सकल लाभ कमरा + श्रम मजदूरी + कुल लाभ = किराया =7525+105600+12000	125125

चार चक्र के बाद समूह के सदस्यों के बीच लाभ का वितरण – कुल लाभ = (पांचवें चक्र के लिए आवर्ती लागत + ब्याज + मूल राशि) =7525-(0+0+48500)	-40925

नोट-: इस राशि में लेबर वेज और रूम रेंट शामिल नहीं है।
उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि प्रत्येक सदस्य को 75 दिनों के चार चक्र पूरे करने के बाद कोई अतिरिक्त आय नहीं मिलेगी। 48500 का समग्र लाभ निवेशित पांचवें चक्र स्टैंड की आवर्ती लागत के रूप में है।

निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता

संसाधनों का विवरण	**राशि रुपये में**
70975 की पूंजीगत लागत पर परियोजना का हिस्सा (50%)	**35487**
अब तक का मासिक योगदान	**14500**
बैंक से ऋण	**57000**
कुल	**106987**

एक लाख रूपए की राशि स्वयं सहायता समूह को बैंक से ऋण लेने के लिए परिक्रामी निधि के रूप में प्रदान की जाएगी।

पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

ऋण का %5ब्याज परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

ब्रेक ब्रेक ईवन पॉइंट की गणना-

ब्रेक ब्रेक= ईवन पॉइंट– पूंजीगत लागतकिग्रा।/आवर्ती लागत–.किग्रा/बिक्री/

=70975/150 -122

=70975/28=2834किग्रा

2534 किलो ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री के बाद नौ महीने के बाद ब्रेक ईवन प्वाइंट हासिल किया जा सकता है।

ऋण चुकौती अनुसूची 10% ब्याज पर

क्रमांक	**महीना**	**ऋण वापसी**			**संचयी ऋण वापसी**	**ऋण शेष**		
		मूल राशि	**रुचि**	**कुल**		**मूल राशि**	**रुचि**	**कुल**
	महीना–1	0	0	0	0	57000	475	57475
2	महीना–2	0	0	0	0	57475	479	57954
3	महीना–3	0	0		0	57954	483	58437
4	महीना–4	**18563**	**1437**	20000	20000	38437	320	38757
5	महीना–5	0	0	0	0	38757	322	39057
6	माह–6	0	0	0	0	39057	326	39383
7	महीना–7	**19032**	**968**	20000	20000	19405	162	19567
8	महीना–8	0	0	0	0	19567	163	19730

9	महीना–9	0	0	0	0	19730	164	19894
10	महीना–10	**19405**	**489**	19894	19894	0	0	0
1 1	**कुल**	**57000**	**2894**	**59894**	**59894**		**2894**	

आपकी त्वचा, मस्तिष्क और हड्डियों के लिए आश्चर्यजनक मशरूम स्वास्थ्य लाभ

"उनमें सेलेनियम, पोटेशियम, तांबा, लोहा और फास्फोरस जैसे कई खनिज होते हैं जो अक्सर पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं।"

1. मशरूम आपको युवा बनाए रखने में मदद करता है।
2. उम्र बढ़ने के साथ मशरूम आपके दिमाग की रक्षा करता है।
3. मशरूम आपकी याददाश्त को बढ़ा सकता है।
4. मशरूम आपके दिल के स्वास्थ्य में मदद कर सकता है।
5. मशरूम आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।
6. मशरूम आपको ऊर्जा देने में मदद करेगा।
7. मशरूम कई बीमारियों खासकर कैंसर से लड़ने में मदद करता है **।**

मशरूम की स्वादिष्टता विशेष व्यंजन, स्वादिष्ट, स्वस्थ और किफायती है।

टिपणी:

समूह का आगामी दृष्टिकोण अचार, रेडीमेड सूप, सूखे मशरूम आदि के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी दुग्धउत्पाद और इसका मूल्यवर्धन है क्योंकि तथा केंचुआ खाद निर्माण यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया, कि एक व्यापार योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए , अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना

कार्यकारी सारांश

दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन गुन्जन स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी पुरुष ओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में दूध एकत्रित कर के उस से दुग्ध उत्पाद आदि बनाए जायेंगे। यह गतिविधि इस समूह की कुछ पुरुष ओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा समस्त ऋतुओ मे की जाएगी। दूध के उत्पाद बनाने की प्रक्रिया में हर दिन 2 से 3 घन्टे लगते हैं. उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पनीरबनाने तथाउसकी पैकिंग इत्यादी जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह दूध एकत्रित करेगा तथा मांग के अनुकूल पनीरव का निर्माण करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा। इसके साथ साथ समूह प्राप्त गोबर और कृषि अवशेष से केंचुआ खाद भी त्यार करेगा जिस के लिएसमूह के पास पहले से ही प्रशाधन उपलब्ध हैं (केचुआ गढ़े और खुरली)

उत्पादन प्रक्रिया का विवरण

पनीर बनाने वाले स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने शुरू में 120 किलो शुद्ध दूध से कारोबार शुरू करने पर सहमति जताई।40 लीटर दूध को लगातार हिलाते हुए50 लीटर क्षमता वाले मोटे दूध के बर्तनों में 90^0–80 C के तापमान तक गर्म किया जाएगा। जब दूध का तापमान लगभग ^{0} 90 C हो जाए तो इसमें %0.2 साइट्रिक एसिड) यानी 80ग्राम साइट्रिक एसिड (मिलाएं और 6–5 मिनट तक हिलाते रहें और आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। उत्पाद को मलमल के कपड़े में डालें और अतिरिक्त पानी को निचोड़ लें और पनीर के ऊपर अतिरिक्त भार डालकर पनीर को दबाएं और परिणामी सामग्री को ठंडे पानी के अंदर मलमल के कपड़े में रखें। अन्य दो दूध के बर्तनों में शेष 80 लीटर दूध के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराई जाएगी ।

मानक औसत के अनुसार प्रतिदिन 120 लीटर दूध से लगभग 24 किलोग्राम पनीर का उत्पादन किया जाएगा, जिसे लक्षित बाजारों के अनुसार उचित रूप से बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए विपणन किया जा सकता है। औसतन यदि पनीर की कीमत रु 250 . रुपये प्रति किलो, एसएचजी की शुद्ध बिक्री – / 6000 दैनिक होगी और यदि दूध 40 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा जाता है तो 120 किलो दूध की मात्रा पर काम किया जायेगा और 4800प्रति दिन और इस तरह 1200 रुपये प्रतिदिन सकल लाभ होगा।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने की बाजार की संभावना

पनीर एक प्राकृतिक डेयरी आइटम है जो स्वस्थ, पोषक तत्वों से भरपूर और बहुत मांग में है। वर्तमान में मांग बढ़ रही है और निकट भविष्य में मांग अधिक होने की संभावना है। व्यवसाय लाभदायक है और इसके लिए कम पूंजी, सस्ती सामग्री और बुनियादी मशीनरी की आवश्यकता होती है। गुणवत्ता पनीर गुणवत्ता नियंत्रण, के साथ उचित उपकरण और मानकीकृत प्रोटोकॉल की मांग करता है।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने के कारण

- प्राकृतिक डेयरी उत्पाद
- भारी मांग
- धंधा पैसा बनाने वाला है
- कम पूंजी की जरूरत
- सस्ते घटक
- एसएचजी सदस्य व्यक्तिगत स्तर पर गतिविधि से परिचित हैं

घर में बने पनीर के लिए उपकरण की आवश्यकता

घर में बने पनीर का उत्पादन शुरू करने के लिए शुरू में निम्नलिखित उपकरण खरीदे जाएंगे

1. बॉयलर वेसल 100lt क्षमता
2. मिश्रण आदि को हिलाने के लिए डंडियां
3. कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर
4. गैस भट्टी) चुल्ला(
5. डिजिटल वजनी मशीन
6. मापने वाला उपकरण1) lt, 2lt, 5lt)
7. रेफ्रिजरेटर 200) लीटर(
8. रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख
9. पॉली सीलिंग टेबल टॉप
10. हीट सीलर
11. एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।
12. कुर्सियां, मेज आदि।
13. पनीर दबाने की मशीन

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	पनीर बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह उत्पाद पहले से ही कुछ SHG सदस्यों द्वारा बनाया जा रहा है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	1 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	सभी सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय रूप से उपलब्ध
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	सुंदर नगर 50 किमी, मंडी 30 किमी
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	120 लीटर दूध (शुरुआत में)
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	24 किलो (शुरुआत में)

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा	राशि प्रति किलो (रुपये)	कुल रकम	अपेक्षित पनीर उत्पादन (किग्रा)	रु. प्रति किलो	कुल रकम
1	गाय का दूध	किलोग्राम	हर दिन	120 लीटर	40	4800	24	250	6000

विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	**कमांद-18किमी,कटौला-12 किमी, मंडी-42 किमी**
2	इकाई से दूरी	::	**कटौला-12 किमी,** मंडी 42 किमी,
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद को 1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"		"पवित्रता और सर्वोच्चता का एक उत्पाद"

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व–उत्पादन प्रक्रिया) अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि (में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने के लिए लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें व्यावसायिक लाभ भी शामिल होना चाहिए शुरू में एसएचजी संक्षेप में कमाई करने जा रहा है एक लागत लाभ विश्लेषण का अनुमान लगाया जाना आवश्यक है

ए।	**पूंजी लागत**			

क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु) .
1	बॉयलर पॉट 100lt क्षमता	3	5000	15000
2	मिश्रण आदि को हिलाने के लिए शीशे की डंडियां	3	300	900
3	कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर	2	4000	8000
4	गैस भट्टी) चुल्ला(	3	1500	4500
5	डिजिटल वजनी मशीन	1	10,000	10000
6	मापने वाला उपकरण1) lt, 2lt, 5lt)	3	L/S	1000
7	रेफ्रिजरेटर 200) लीटर(	1	22000	22000
8	रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख	L/S	L/S	4000
9	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर	1	2000	2000
10	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।	12	L/S	6000
1 1	कुर्सियां, मेज आदि।		L/S	5000
12	पनीर प्रेसिंग मशीन	1	L/S	3000
	कुल पूंजीगत लागत)ए(			**81400**

बी।	आवर्ती लागत			
क्रमांक।	विवरण	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु) .
1	कच्चा दूध	लीटर दैनिक 120	लीटर 40	144000
2	साइट्रिक एसिड	लीटर 6	/150लीटर	900
3	कमरे का किराया	प्रति महीने	500	500
4	पैकेजिंग सामग्री	महीने के	3000	3000
5	श्रम	प्रतिदिन व्यक्ति 2	/275व्यक्ति	16500
6	परिवहन	महीने के	रुपये प्रति दिन	3000
7	विविध व्यय अर्थात स्थिर), बिजली बिल, पानी का बिल, आदि(	महीने के	1000	1000
8	गैस	प्रति माह एक सिलेंडर	/2000सिलेंडर	2000
9	मलमल का कपड़ा	महीने के हिसाब से	L/S	1500
10	साबुन और डिटर्जेंटविम स्क्रबर/, झाड़ू, वाइपर, आदि।	महीने के महीने हिसाब से	L/S	1000
	कुल आवर्ती लागत (बी)			**173400**

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)

क्रमांक	विवरण	राशि (रु) .
1	कुल आवर्ती लागत	173400
2	पूंजीगत लागत पर सालाना %10मूल्यह्रास	678
	उत्पादन की कुल लागत	**174078**

डी। कुल आय मासिक

क्रमांक संख्या	विवरण	रोज	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	कुल बिक्री दैनिक	मासिक बिक्री
1	पनीर का कुल उत्पादन	24 किलो ग्राम	/250किग्रा	6000	180000

	लागत लाभ का विश्लेषण	
क्रमांक _	विवरण	राशि (रु) .
1	पूंजीगत लागत पर %10मूल्यह्रास	678
2	प्रति माह कुल आवर्ती लागत	173400
3	कुल खर्च	174078
4	कुल उत्पादन)मासिक(	720किग्रा
5	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	/250किग्रा
6	कुल बिक्री राशि	180000
	शुद्ध आय)मासिक174078−180000 =(	5922
7	लाभ साझेदारी	लाभ के बंटवारे पर सदस्यों के बीच सामूहिक सहमति होगी; हालांकि लाभ का एक हिस्सा भविष्य की आकस्मिकता के लिए आरक्षित रखा जाएगा ।

नोट :श्रम की मात्रा (16500) जिसे आवर्ती लागत में जोड़ा गया है, व्यावहारिक रूप से एसएचजी के सदस्यों की आय है क्योंकि श्रम इनपुट एसएचजी के सदस्यों के भीतर होगा।

फंडफ्लो

क्रमांक संख्या	विवरण	कुल राशि (रु) .	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	81400	40700(50%)	40700
2	कुल आवर्ती लागत	173400	−	173400
.3	अब तक का मासिक योगदान	14500		14500
.4	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	60000	60000	−
	कुल	**329300**	**100700**	**228600**

टिप्पणी-

- एसएचजी में सभी सदस्य होते हैं और परियोजना द्वारा 50 %पूंजीगत लागत का योगदान दिया जाएगा।
- आवर्ती लागत एसएचजी/सीआईजी सदस्यों द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

फंड के स्रोत

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 50% उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा, जैसा कि क्रम संख्या 8 में वर्णित है। • **1** लाख रुपये SHG बैंक खाते में रखे जाएंगे। • प्रशिक्षण**/**क्षमता निर्माण**/**कौशल उन्नयन लागत।	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू**/**एफसीसीयू द्वारा मशीनरी**/**उपकरणों की खरीद की जाएगी ।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का **50%** स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री**/**उपकरणों की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि-

लाभार्थियों का बेसलाइन सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा ।
निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार पहुंच

टिप्पणियां:

समूह की आगामी दृष्टि अन्य डेयरी वस्तुओं आदि के रूप में मूल्यवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

व्यापार योजना
आय सृजन गतिविधिकेंचुआ खाद बनाना -

परिचय

सरल उत्पादन तकनीकों, पारिस्थितिक, आर्थिक और इससे जुड़े मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण केंचुआ खाद बनाना देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में गैर–सरकारी संगठनों) एनजीओ (के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत, उद्यमियों द्वारा सरकार के समर्थन के तहत, वर्मीकम्पोस्टिंग इकाइयों की एक महत्वपूर्ण संख्या स्थापित की गई है।

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन) सीबीओ(, स्वयं सहायता समूह)एसएचजी(, ट्रस्ट आदि हैं जो अपने स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मीकंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

कृमि खाद

केंचुओं को पालने/उपयोग करके कम्पोस्ट का उत्पादन वर्मी कम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। इस तकनीक के

तहत, केंचुए बायोमास खाते हैं और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं जिसे वर्मीकम्पोस्टिंग या वर्मीकम्पोस्ट के रूप में जाना जाता है । यह छोटे और बड़े पैमाने के किसानों दोनों के लिए खाद के उत्पादन के लिए सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि में स्थापित की जा सकती है जो किसी भी आर्थिक उपयोग के अधीन नहीं है बल्कि छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त है। स्थान भी जल संसाधन के निकट होना चाहिए

वर्मीकम्पोस्टिंग, जिसे सही मायने में" कचरा रूपी सोना "कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है, मिट्टी की उत्पादकता खेती की लागत को कम करती है। पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मीकम्पोस्ट की मांग में धीरे–धीरे वृद्धि हो रही है ।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	केंचुआ खाद
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

चरण		विवरण
चरण -1	::	प्रसंस्करण जिसमें घास फूस का संग्रह, और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण-2	::	जैविक कचरे का बीस दिनों के लिए पशुओं के गोबर के घोल के साथ सामग्री को ढेर करके पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से सामग्री को पचाती है और केंचुआ खपत के लिए उपयुक्त है। मवेशियों के गोबर और बायोगैस के घोल को सुखाने के बाद इस्तेमाल किया जा सकता है। गीले गोबर का उपयोग वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के लिए नहीं करना चाहिए।
चरण-3	::	केंचुआ क्यारी तैयार करना। वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़े को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय, सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण-4	::	वर्मी-कम्पोस्ट संग्रह के बाद केंचुओं का संग्रह। पूरी तरह से कंपोस्ट की गई सामग्री को अलग करने के लिए कंपोस्ट की गई सामग्री को छान लें। आंशिक रूप से कम्पोस्ट की गई सामग्री को फिर से वर्मी कम्पोस्ट बेड में डाल दिया जाएगा।

चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।
चरण-6		ईंटों का पका गड्ढा बना है

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	1
कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार
कच्चा माल – आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलो) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

विपणन/बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	हिमाचल प्रदेश वन विभाग स्थानिय बाज़ार अपने खेत पर प्रयोग करने के लिए
इकाई से दूरी	::	
बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	HOFF (वन विभाग) उनकी नर्सरी के लिए प्रचुर मात्र में वर्मी –कम्पोस्ट खरीद रहा है
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित वर्मी –कम्पोस्ट की खरीद की सुविधा प्रदान करेगा ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

स्वोट अनालिसिस

- **ताकत**
  - गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
  - एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं

- एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
- उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद आत्म–जीवन लंबा है

❖ **कमज़ोरी**

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ **अवसर**

- जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- वर्मी– कम्पोस्ट का अपने खेत में प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार और वृद्धि तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद का उत्पादन होगा जो बेहतर मूल्य प्रदान करेगा।
- रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना

❖ **धमकी/जोखिम**

- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- उत्पादन कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा –
- गुणवत्ता आश्वासन सामूहिक रूप से –
- सफाई और पैकेजिंगसामूहिक रूप से –
- मार्केटिंग सामूहिक रूप से –
- इकाई की निगरानी सामूहिक रूप से –

राशि वास्तविक रु . में)

अर्थशास्त्र का विवरण

क्रमां कसं ख्या	विवरण	इकाइयों	मात्रा / संख्या।	लागत)रु(.	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए।	**पूंजी लागत**								
ए1.	वृद्धि के साथसाथ – गड्ढे का) श्रम लागत आकार आंतरिक 10ftX4ftX2ft का होगा(	प्रति सदस्य	09	0	00	0	0	0	0
	उपकरण, उपकरण, वजन पैमाने आदि।	प्रति सदस्य	09	2000	18000	0	0	0	0
	कुल)ए(1.				**18000**	**0**	**0**	**0**	**0**
बी	**आवर्ती लागत**								
2	बीज केंचुआ	प्रति किलो	09	500	4500	0	0	0	0
3	गाराअपशिष्ट /गोबर/ की खरीद की लागत	टन	80	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध
4	श्रम लागत	प्रति टन	40	700	28000	29400	30870	32414	34034
5	पैकिंग सामग्री	नंबर	5000	2	10000	10500	11025	11576	12155
6	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	40	150	6000	6300	6615	6946	7293
सी	**अन्य शुल्क**								
7	बीमा	एलएस/			0	0	0	0	0
	कुल आवर्ती लागत				**48500**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**
	कुल लागत -पूंजी और आवर्ती				**66500**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**
डी	**वर्मी कम्पोस्टिंग से आय**								
8	**वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री**	टन	27	**6000**	**162000**	**170100**	**178605**	**187535**	**196911**
9	**कुल मुनाफा**				**162000**	**170100**	**178605**	**187535**	**196911**

10	**शुद्ध रिटर्न)सीबी(**				**113500**	**123900**	**130095**	**136599**	**143429**

नोट - चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और उनके स्थान पर पहले से उपलब्ध घोल /गोबर /अपशिष्ट और ये सामग्री समूह के पास उपलब्ध है इसलिए, आवर्ती लागत (श्रम लागत, घोल /गोबर /अपशिष्ट की खरीद की लागत ((की कुल आवर्ती लागत से कटौती की जाती है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**	
पूंजी लागत	**18000**	0	0	0	0	
आवर्ती लागत	**48500**	46200	48510	50936	53482	
कुल लागत	**66500**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**	**265628**
कुल लाभ	**162000**	**170100**	**178605**	**187535**	**196911**	**895151**
शुद्ध लाभ	**95500**	**123900**	**130095**	**136599**	**143429**	**563023**
लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @ 15 प्रतिशत	**324000**					
लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @ 15 प्रतिशत	**895151**					
लाभ लागत अनुपात	**2.76**					

शुद्ध लाभ का वितरण - उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार एक गड्ढे के लिए10 X4X 2फीट की योजना बनाई गई है।
- वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत रु 1.85 . प्रति किग्रा
- वर्मी– कम्पोस्ट) सरंक्षण पक्ष (की बिक्री रु 6 . प्रति किलो
- रुपये का शुद्ध लाभ होगा 2.70 प्रति किग्रा
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रति वर्ष 3.3 टन वर्मी– कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप 27 टन का उत्पादन होगा एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी1 0 सदस्यों द्वारा वर्मी– कम्पोस्ट।
- केंचुआ कीमत 500.00 = प्रति किग्रा
- वर्मी – खाद बनाना एक लाभदायक IGA है और इसे SHG सदस्यों द्वारा लिया जा सकता है।

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक संख्या	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	18000	9000	9000
2	कुल आवर्ती लागत	**48500**	0	**48500**
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन			
	कुल =	**66500**	**9000**	**57500**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत - पूंजीगत लागत** का 50% परियोजना के तहत कवर किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** -एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	• पूंजीगत लागत का **50** % तौल मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • तक 1 लाख रुपये **SHG** बैंक खाते में रखे जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का **50**% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें तौल मशीनों की खरीद शामिल है • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

परियोजना की कुल लागत है

मशरुम:-

पूंजीगत लागत =70975/-

आवर्ती लागत =211500/-

मशरूम की खेती के लिए कुल =282475/-

दुग्ध उत्पादन:-

पूंजीगत लागत =81400/-

आवर्ती लागत =173400/-

दुग्ध उत्पादन के लिए कुल =254800/-

केंचुआ खाद:-

पूंजीगत लागत =18000/-

आवर्ती लागत =48500/-

केंचुआ खाद बनाना परियोजना के लिए कुल =66500/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल =282475+254800+66500= 603775/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1	**मशरुम उत्पादन**	70975	211500	35487	2,46,987	282475
2.	**दुग्ध उत्पाद**	81400	173400	40700	2,14,100	254800
3.	**केंचुआ खाद बनाना**	18000	**48500**	9000	57500	66500
	कुल	**170375**	**433400**	**85187**	**518587**	**603775**

अनुलग्नक-1

हम नारायण स्वम सहयता समूह के सभी सदस्य यह प्रतिज्ञा लेते हैं की सभी. सदस्य समूह की आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और तराणु वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना द्वारा दिशानिर्देश के अनुसार समूह ने (मशरुम उत्पादन,द्रूग्ध उत्पाद एवं केंचुआखाद की गतिविधियों) को चुना गया।

क्र स	नाम	पिता	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	रफीक अली	जुसब	अध्यक्ष	अनुसूचित जन जाती	33	
2.	चेत राम	राम चंद	सचिव	अन्य पिछड़ा वर्ग	35	
3	सूरज मणि	सोहन लाल	सदस्य	अनुसूचित जाती	33	
4	बशीर खांन	फ़क़ीर हुसैन	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	31	
5	विन्यामीन	अली हुसैन	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	45	
6	फरजंद अली	जुसब	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	48	
7	कृपा राम	बूधे राम	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	40	
8	कालू	अली हुसैन	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	49	
9	सूंदर लाल	देवी चंद	सदस्य	अनुसूचित जन जाती	33	

स्वम सहयता समूह-सचिव के हस्ताक्षर

स्वम सहयता समूह- प्रधान के हस्ताक्षर

वीएफडीएस सचिव के हस्ताक्षर

वीएफडीएस प्रधान के हस्ताक्षर

वनरक्षक के हस्ताक्षर

खण्ड अधिकारी के हस्ताक्षर

वन परिक्षेत्र अधिकारी के हस्ताक्षर

डीएमयू द्वारा स्वीकृत